

कार्यकारी संक्षेप साठी वाळू घाट पर्यावरण व्यवस्थापन योजना

सोलापूर जिल्हा, राज्य महाराष्ट्र

१३ रेती घाटांसाठी सार्वजनिक सुनावणी

प्रकल्प पुरस्कर्ता  
जिल्हा खाण अधिकारी,  
जिल्हाधिकारी कार्यालय, सोलापूर

पर्यावरण सल्लागार  
महाबल एन्व्हायरो इंजिनियर प्रा.लि  
QCI-NABET मान्यताप्राप्त EIA सल्लागार  
A-२०२, चंद्रविजय सोसायटी, समोर. बासुरी हॉटेल,  
महात्मा फुले रोड, मुलुंड ईस्ट, मुंबई – ४०००८१

ईमेल:- [mahabal.thane@gmail.com](mailto:mahabal.thane@gmail.com) मोबाईल : +91-९६-८९४२-०३४३

## अनुक्रमणिका

|                                    |    |
|------------------------------------|----|
| प्रस्तावना .....                   | ६  |
| रेती घाटांची यादी .....            | ८  |
| वैधानिक मंजूरीची स्थिती .....      | ९  |
| खाणकाम पद्धती.....                 | १० |
| खाणकामाची पद्धत .....              | १० |
| आवश्यक यंत्रसामग्री / उपकरणे ..... | १० |
| वाहतूक .....                       | १० |
| पुनर्प्राप्ती .....                | १० |
| पर्यावरणीय व्यवस्थापन योजना .....  | ११ |
| व्यवसाय, आरोग्य आणि सेवा .....     | १३ |
| वृक्षारोपण अहवाल.....              | १४ |
| निष्कर्ष .....                     | १५ |

## तक्ता क्रमांक यादी

|  |    |
|--|----|
| तक्ता क्रमांक १ - मंजूर १३ रेती घाटांची यादी .....   | ८  |
| तक्ता क्रमांक २ -रेती घाटासाठी वैधानिक मंजूरीची स्थिती९तक्ता क्रमांक ३ -अपेक्षित प्रभाव आणि व्यवस्थापन योजना ..... | ११ |
| तक्ता क्रमांक ४ -ग्रीन बेल्ट तपशील .....   | १४ |
| तक्ता क्रमांक ५ -लागवडीसाठी शिफारस केलेल्या झाडांच्या प्रजातींची यादी .....  | १४ |

## छायाचित्राची सूची

छायाचित्र क्रमांक १-सोलापूरचे ठिकाण ७

## संक्षेप नाव

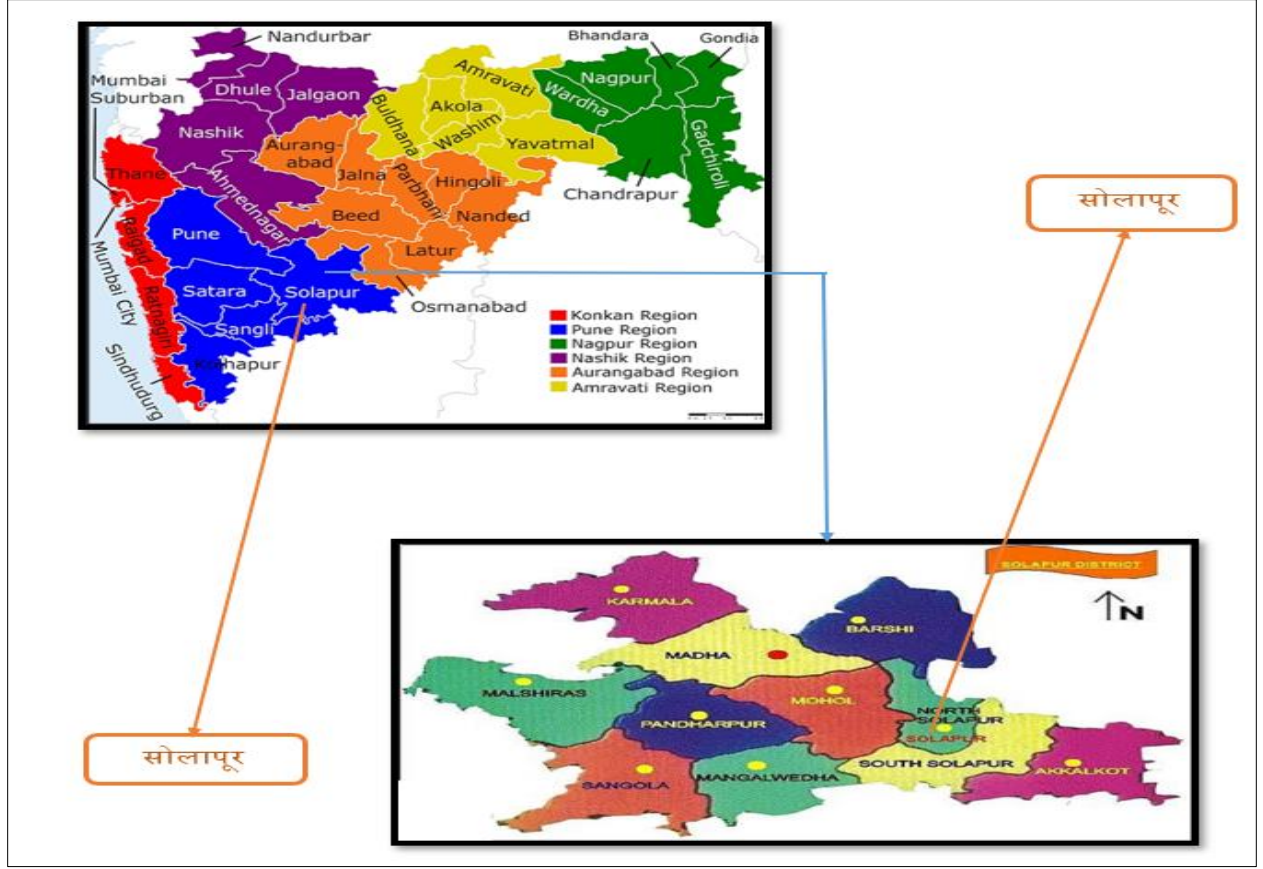
| संक्षिप्त रूप | पूर्ण रूप                           |
|---------------|-------------------------------------|
| DMO           | जिल्हा खनिकर्म अधिकारी              |
| GSDA          | भूजल सर्वेक्षण आणि विकास संस्था     |
| MPCB          | महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ    |
| PPE           | वैयक्तिक संरक्षणात्मक उपकरणे        |
| EC            | पर्यावरणीय मंजूरी                   |
| MoEFCC        | पर्यावरण वन आणि हवामान बदल मंत्रालय |

## कार्यकारी संक्षेप

### प्रस्तावना

जिल्हाधिकारी, सोलापूर यांचा रेती घाटांचा लिलाव करण्याची मान्यता आहे आणि प्रकल्प प्रस्तावक म्हणून नियुक्त जिल्हा खनिकर्म अधिकारी (DMO), सोलापूर तहसीलदार आणि उपअभियंता यांच्या अध्यक्षतेखालील तालुकास्तरीय तांत्रिक समितीने एकूण १३ रेती घाटांची ओळख पटवली आहे. अभियंता, पाटबंधारे आणि कनिष्ठ भूवैज्ञानिक, भूविज्ञान आणि खाण संचालनालय, कनिष्ठ भूवैज्ञानिक भूजल सर्वेक्षण आणि विकास संस्था (GSDA), महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ (MPCB) चे प्रतिनिधी मॅन्युअल पद्धतीने वाळूचे स्कोपिंग करण्यासाठी.

- सोलापूर जिल्ह्यातील अक्कलकोट, मोहोळ मंगळवेढा, मोहोळ, दक्षिण सोलापूर, माढा, पंढरपूर तालुक्यात असलेल्या १३ रेती घाटांसाठी पर्यावरणीय मंजूरीचा प्रयत्न केला जातो.
- महाराष्ट्र शासनाचे पत्र क्रमांक: संकिरण- 2019/P.K.01/Ta.K.3 दिनांक 03/12/2019 नुसार, 5 हेक्टरपेक्षा कमी खाणींसाठी सार्वजनिक सुनावणी आयोजित करणे आवश्यक आहे.
- महाबळ एन्व्हायरो इंजिनियर प्रा. लि. ला जिल्हाधिकारी कार्यालय, गोंदिया यांच्याकडून गोंदियातील वाळूच्या ठिकाणांसाठी पर्यावरणीय मंजूरी मिळविण्यासाठी काम देण्यात आले.



छायाचित्र 1 सोलापूरचे ठिकाण

## रेती घाटांची यादी

### तक्ता क्रमांक १ - मंजूर १३ रेती घाटांची यादी

| अ. नु. | रेती घाटाचे नाव | तहसील          | नदीचे नाव | गत क्र.  | क्षेत्र (हेक्टर मध्ये) | क्षेत्रफळ (मी) |       |      | उपलब्ध वाळू (ब्रास) | GSDA फीडबॅक | ग्रामसभेचा ठराव | लिलाव वाळूचा होय/नाही |
|--------|-----------------|----------------|-----------|--|------------------------|----------------|-------|------|---------------------|-------------|-----------------|-----------------------|
|        |                 |                |           |  |                        | लांबी          | रूंदी | खोली |                     |             |                 |                       |
| १      | खानापूर         | अक्कल कोट      | भीमा      | २२५ ते २६६   | ४.८८                   | ८००            | ६१    | १    | १७२४४               | होय         | होय             | होय                   |
| २      | कुडल            | अक्कल कोट      | भीमा      | ७२ ते ९०   | ४.५                    | ९००            | ५०    | १    | १५९०१               | होय         | होय             | होय                   |
| ३      | देवीकवठे        | अक्कल कोट      | भीमा      | ९, ८/ब, ७/ब, ६, २  | ३.७५                   | ५००            | ७५    | १    | १३२५१               | होय         | होय             | होय                   |
| ४      | मिरी तांडोर     | मोहोळ मंगळवेढा | भीमा      | मिरी-५५ ते ५८ ; तांडोर- २०३ पै, २०५, २०७, २०८, २०९, २१३, २१४ | ४.४५                   | ५७०            | ७८    | १    | १५७१०               | होय         | होय             | होय                   |
| ५      | बाळगी           | द. सोलापूर     | भीमा      | १ ते २५  | ३.१८                   | १०६१           | ३०    | १    | ११२४७               | होय         | होय             | होय                   |
| ६      | भंडाराकवठे      | द. सोलापूर     | भीमा      | ८२९, ७९१ ते ७९७  | ४.२                    | १४००           | ३०    | १    | १४८४१               | होय         | होय             | होय                   |
| ७      | लवंगी           | द. सोलापूर     | भीमा      | ११५, १४८ व १५७   | २.२९                   | ८५०            | २७    | १    | ८११०                | होय         | होय             | होय                   |
| ८      | माळेगाव         | माढा           | भीमा      | ६०, ६१/ब, ७० ते ७२, ८१, ८८                                   | १.६३                   | ७६२.१९         | २१.३४ | १    | ५७४७                | होय         | होय             | होय                   |
| ९      | आलेगांव खु      | माढा           | भीमा      | ९२ ते ९७, १०० ते १०२, १०४, १०८, १०९, ११०, ११३                | ४.८३                   | १५८४.९६        | ३०.४८ | १    | १७०७०               | होय         | होय             | होय                   |
| १०     | टाकळे टे        | माढा           | भीमा      | १५७, १६० ते १६५, १६८ ते १७०, १७५, १७६, १८०, १८१, १८५ ते १९०  | ४.७५                   | १२५०           | ३८    | १    | १६७८४               | होय         | होय             | होय                   |
| ११     | गारअकोले        | माढा           | भीमा      | ३८, ४० ते ४३, ४७ ते ४९                                       | ४.७२                   | १३५०           | ३५    | १    | १६६९६               | होय         | होय             | होय                   |
| १२     | आव्हे           | पंढरपूर        | भीमा      | ४६ ते ५४, ५६, ५७, ५९, ६०, ६१                                 | ३.७८                   | ४९२            | ७७    | १    | १३३८७               | होय         | होय             | होय                   |



१३ रेती घाट सोलापूरसाठी कार्यकारी संक्षेप

| अ. नु. | रेती घाटाचे नाव | तहसील   | नदीचे नाव | गट क्र.                              | क्षेत्र (हेक्टर मध्ये) | क्षेत्रफळ (मी) | उपलब्ध वाळू (ब्रास) | GSDA फीडबॅक | ग्रामसभेचा ठराव | वाळूचा लिलाव होय/नाही |     |     |
|--------|-----------------|---------|-----------|--------------------------------------|------------------------|----------------|---------------------|-------------|-----------------|-----------------------|-----|-----|
| १३     | नांदोरे         | पंढरपूर | भीमा      | १८७ ते १८९, १९३ ते २००, ७७, २०१, २०२ | ३.३६                   | ४८०            | ७०                  | १           | ११८७३           | होय                   | होय | होय |

### वैधानिक मंजूरीची स्थिती

रेती घाटासाठी वैधानिक मंजूरीची स्थिती तक्ता क्रमांक २ मध्ये खाली दर्शविली आहे

तक्ता क्रमांक २ रेती घाटासाठी वैधानिक मंजूरीची स्थिती

| अनु | विशेष                           | तपशील   |
|-----|---------------------------------|---|
| १   | प्रकल्प प्रवात्रक               | जिल्हा खनिकर्म अधिकारी, सोलापूर   |
| २   | प्रकल्प स्थित                   | नवीन  |
| ३   | उत्खनन करवायचे खनिज             | नदीच्या पात्रातील वाळू  |
| ४   | रेतीघाट प्रस्तावित करणारी समिती | तालुकास्तरीय तांत्रिक समितीच्या अध्यक्षतेखाली तहसीलदार व उप अभियंता पाटबंधारे, कनिष्ठ भूवैज्ञानिक, भूविज्ञान आणि खाण संचालनालय, कनिष्ठ भूवैज्ञानिक भूजल सर्वेक्षण आणि विकास संस्था (GSDA), महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाचे प्रतिनिधी. |
| ५   | ग्रामपंचायत नाहरकत दाखला        | महाराष्ट्र राज्याच्या वाळू उत्खनन धोरणानुसार ग्रामपंचायतीकडून प्राप्त.  |
| ६   | उत्खनन ठराऊन देलेला कालावधी     | रेती घाट वाटप झाल्यापासून एक वर्षापर्यंत  |

## खाणकाम पद्धती

### खाणकामाची पद्धत

वाळू उत्खननासाठी ड्रिलिंग आणि ब्लास्टिंगशिवाय ओपनकास्ट मॅन्युअल पद्धत वापरली जाईल. कुदळ आणि घमेला यांसारख्या हाताच्या साधनांसह मजुरांचा वापर केला जाईल. कोरड्या नदीपात्रातूनच वाळूचे उत्खनन केले जाते. रेती घाटातील रेतीचा अंदाज घेण्यासाठी पुढील प्रक्रिया अवलंबली जाते.

१) रेती घाटाचे सीमांकन आणि बेंचमार्किंग १०m x ११०m अंतराने केले जाते.

२) प्रत्येक ग्रीडमधील वाळूची खोली शोधण्यासाठी ऑगर ड्रिलरचा वापर केला जातो.

३) १०m x १०m ग्रिड पॅटर्नचा वापर करून रेती घाटात छिद्र तयार करण्यासाठी ऑगर ड्रिलर चा वापर केला जातो.

४) मापन टेप वापरून छिद्रांची खोली मोजली जाते.

५) सर्व रीडिंग घेतल्यानंतर नदीच्या रेती घाटाची सरासरी खोली मीटरमध्ये मोजली जाते.

### आवश्यक यंत्रसामग्री / उपकरणे

ट्रॉली, घमेला आणि ट्रॅक्टर ही वाळू उत्खननासाठी वापरली जाणारी यंत्रे/उपकरणे आहेत.

### वाहतूक

वाळूच्या ठिकाणाहून स्टॉकयार्डपर्यंत ट्रॅक्टर ट्रॉलीद्वारे वाहतूक केली जाईल.

### पुनर्प्राप्ती

मान्सूननंतर उत्खनन केलेले क्षेत्र आपोआप भरले जाईल. नदीकाठच्या बाजूने आणि वाहतूक रस्त्यालगत वृक्षारोपण करण्यात येणार आहे.

## पर्यावरणीय व्यवस्थापन योजना

### तक्ता क्रमांक ३-अपेक्षित प्रभाव आणि व्यवस्थापन योजना

| अनु . | प्रभाव        | व्यवस्थापन योजना   |
|-------|---------------|--|
| १     | वायू प्रदूषण  | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ धूळ दाबण्यासाठी १ .00 किमी पर्यंतच्या रस्त्यांवर पाणी शिंपडले जाईल.</li> <li>■ ट्रॅक्टरचा वेग मर्यादित असेल.</li> <li>■ रस्त्यांची देखभाल नियमित केली जाईल.</li> <li>■ रस्त्यांचे कॉम्पॅक्शन केले जाईल.</li> <li>■ वाळूची वाहतूक ट्रॅक्टरने आणि ताडपत्रीने झाकलेल्या ट्रॉलीद्वारे केली जाईल.</li> <li>■ ट्रॅक्टर ट्रॉली ओव्हरलोड होणार नाहीत.</li> <li>■ धूळ दाबण्यासाठी १ .00 किमी पर्यंतच्या रस्त्यांवर पाणी शिंपडले जाईल.</li> <li>■ ट्रॅक्टरचा वेग मर्यादित असेल.</li> <li>■ रस्त्यांची देखभाल नियमित केली जाईल.</li> <li>■ वाळूची वाहतूक ट्रॅक्टरने आणि ताडपत्रीने झाकलेल्या ट्रॉलीद्वारे केली जाईल.</li> <li>■ ट्रॅक्टर ट्रॉली ओव्हरलोड होणार नाहीत.</li> </ul> |
| २     | ध्वनी प्रदूषण | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ मजुरांना इअर मफ आणि इअर प्लग दिले जातील.</li> <li>■ ट्रॅक्टर ट्रॉलीव्यतिरिक्त जड आवाज निर्माण करणारी यंत्रे तैनात केली जाणार नाहीत.</li> <li>■ लोड करताना ट्रॅक्टर इंजिन बंद केले जातील.</li> <li>■ ध्वनी निर्मिती कमी करण्यासाठी ग्रीनबेल्ट विकसित केला जाईल.</li> </ul>   |
| ३     | जल प्रदूषण    | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ पावसाळ्यात खाणकाम बंद केले जाईल, जेणेकरून वाळू पुन्हा भरून</li> </ul>   |

| अनु . | प्रभाव                     | व्यवस्थापन योजना   |
|-------|----------------------------|--|
|       |                            | <p>काढता येईल.</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>■ मजुरांसाठी खाणीच्या ठिकाणी फिरती शौचालये दिली जातील.</li> <li>■ वाळूचे उत्खनन केवळ कोरड्या नदीच्या पात्रातच केले जाईल.</li> <li>■ पॉलिथिन पिशव्या, ज्यूटच्या पिशव्या इत्यादी टाकाऊ पदार्थ नदीपात्रात राहू/सांडू दिले जाणार नाहीत.</li> </ul> |
| ४     | जमीन पर्यावरण              | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ झीज टाळण्यासाठी नदीच्या दोन्ही बाजूंपासून किमान ७.५ मीटर किंवा नदीच्या रुंदीच्या १/४ वा सुरक्षित अंतर ठेवावे.</li> <li>■ वाळूच्या उपलब्धतेनुसार खाणकामाची खोली कमाल ३ मीटर असेल.</li> </ul>   |
| ५     | जैविक पर्यावरण             | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ खाणकाम कोरड्या पलंगावर केले जाणार असल्याने जैविक पर्यावरणावर कोणताही परिणाम होणार नाही.</li> </ul>  |
| ६     | सामाजिक - आर्थिक पर्यावर   | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ या खाणकामामुळे रोजगार निर्मिती. स्थानिक ग्रामस्थांना रोजगारासाठी प्राधान्य दिले जाईल.</li> </ul>  |
| ७     | कचरा/ओव्हरबर्डन व्यवस्थापन | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ या खाणकामामुळे कचऱ्याची निर्मिती होणार नाही किंवा जास्त भार होणार नाही.</li> </ul>  |

## व्यवसाय, आरोग्य आणि सेवा

व्यावसायिक आरोग्य आणि सेवांचा सारांश खाली दिला आहे

- सेफ्टी हेल्मेट, इअर प्लग, इअरमफ, गम बूट, फेसमास्क इत्यादी सारख्या वैयक्तिक संरक्षणात्मक उपकरणे (पीपीई) सह कामगार पुरविले जातील.
- धूळीपासून संरक्षणासाठी फेसमास्क दिले जावेत.
- मजुरांना पिण्याचे पाणी आणि शौचालयाची सुविधा पुरविली जाईल
- खाण क्षेत्रात प्रथमोपचारला लगणारी सामग्री उपलब्ध करून देण्यात येईल.
- मजुरांसाठी फिरती शौचालये दिली जातील.
- कचरा गोळा करण्यासाठी आणि स्थानिक प्राधिकरणाद्वारे त्याची विल्हेवाट लावण्यासाठी डस्ट बिन प्रदान केले जातील

## वृक्षारोपण अहवाल

पावसाळ्यात नदीच्या काठावर आणि गावातील रस्त्यांवर स्थानिक प्रजातींची लागवड करण्याचा प्रस्ताव आहे.

### तक्ता क्रमांक ४ -ग्रीन बेल्ट तपशील

| विशेष                         | तपशील   |
|-------------------------------|---|
| ग्रीनबेल्टचे स्थान            | अप्रोच रस्त्याच्या दोन्ही बाजू, नदीकाठच्या वाळूचे ठिकाण आणि जवळपासचे मोकळे क्षेत्र. नदीपात्राच्या बाहेरचा रस्ता |
| लागवड करायच्या रोपांची संख्या | ५०० प्रति हेक्टर  |
| वनस्पतींचे अंतर               | २ मीटर ग्रिड अंतराल   |
| प्रजाती निवडल्या              | मूळ प्रजाती   |

### तक्ता क्रमांक ५ -लागवडीसाठी शिफारस केलेल्या झाडांच्या प्रजातींची यादी

| अनु. | वनस्पति नाव       | स्थानिक नाव | महत्व   |
|------|-------------------|-------------|---|
| १    | आझादिरचित इंडिका  | कडुलिंब     | कडुलिंबाचे तेल आणि कडुलिंबाचे पदार्थ                              |
| २    | टेक्टोना ग्रॅंडिस | सागवान      | बॅक्टेरियाच्या वाढीस प्रतिबंध करणारा पदार्थ, अँटीफंगल, अँटी अल्सर |
| ३    | फिकस रिलिजिओसा    | पिपळ        | औषधी उपयोग, फळे आणि अंजीर   |
| ४    | बांबुसा वल्गारिस  | बांबू       | अँथेलमिंटिक दाहक-विरोधी, तुरट गुणधर्म                             |
| ५    | मधुका लांगीफोलिया | महुआ        | उत्तेजक आणि खोकला आराम म्हणून कार्य करते                          |

## निष्कर्ष

१ सोलापूर जिल्ह्यातील अक्कलकोट, मोहोळ मंगळवेढा, मोहोळ, दक्षिण सोलापूर, माढा, पंढरपूर तालुक्यातील १३ वाळूच्या ठिकाणांसाठी पर्यावरण मंजूरी (EC) लागू केली आहे. पर्यावरण वने आणि हवामान बदल मंत्रालयाच्या (MoEFCC) मार्गदर्शक तत्वांनुसार ५ हेक्टरपेक्षा कमी क्षेत्रफळ असलेले महाराष्ट्र B2 श्रेणीत येते.

२ खाणकामाच्या प्रायोगिक पद्धतीमुळे शेतजमिनीवर पाणी पसरण्यापासून आणि जवळपासच्या वस्तीमध्ये पूरस्थिती निर्माण होण्यापासून नियंत्रित होईल.

३ खाणकामामुळे सरकारला रॉयल्टीच्या रूपात फायदा होईल

४ खाणकामामुळे स्थानिक ग्रामस्थांसाठी व्यवसायाच्या संधी निर्माण होतील

५ प्रस्तावित प्रकल्प सामाजिक पायाभूत सुविधा आणि प्रदेशाच्या सर्वांगीण विकासासाठी देखील आशावादी योगदान देईल.

६ हवा, पाणी, आवाज, माती, घनकचरा व्यवस्थापन इत्यादी सर्व पर्यावरणीय समस्या MoEFCC मार्गदर्शक तत्वांनुसार हाताळल्या जातील.

\*\*\*END\*\*\*